नानामिरे (contra regulam pro नेमिरे). अवनत inclinatus. IN. 2.21. N. 12.68. *Caus.* inclinare. MAH. 3.10043.

c. अव praef. अभि *id. Caus.* MAH. 3.10062.: अभ्यवनाम्य वक्त्रम्.

c. आ *id.* MAH. 7088.: धनुर् आनम्य. *Caus.* MAH. 1.5561.: आनाम्य शाखाम्.

c. उद् extollere, sublevare, se erigere, surgere. DR. 5.1.: नतोन्नतभ्रुवा; HIT. 78.6.: उन्नतचरणा; MR. 166.11.: उन्नमति ... मेघः — उन्नत altus. IN. 5.10.: नितम्बोन्नतपीवरम्; 12.: कूर्मपृष्ठोन्नत. *Caus.* उन्नामित sublevatus. HIT. 100.2.: उन्नामितखड्ग.

c. उद् praef. सम् *id.* HIT. 76.6.: समुन्नतलाङ्गुलः.

c. उप 1) inclinare. RAGH. 8.80.: उपनताम् inclinatam. 2) appropinquare, *transl.* facere, commitere. (*V.* चर्.) RAGH. 10.40.: अकामोपनतम् एनः invite commissum peccatum.

c. परि 1) inclinare. MEGH. 2.: परिणत (gr. $94^{b)}$.). 2) convertere, mutare, *c. instr.* UR. 55.11. infr.: लताभावेन परिणतम् अस्या रूपम्; 71.16.: नदीभावेने 'यम् परिणता. — परिणत maturus. MEGH. 18.

c. प्र प्रणमामि, प्रणमे (gr. $94^{b)}$.) *i. q. simpl.* N. 12.43.: प्रणमे त्वां 'भिगम्या 'हम्; 17.17.; BH. 11.14.44.; MAH. 3.8681.: प्राणमद् विष्णुतेजसम्. — प्रणत inclinatus. SA. 3.11.

c. प्र praef. अभि *id.* R. Schl. II. 58.12. MAH. 3.15306.

c. वि *id.* N. 23.9.: विनत inclinatus. BR. 1.13. GHAT. 18. *Caus.* DR. 2.: विनाम्य शाखाम्.

c. सम् *id.* MAH. 3.1374.: तस्मै शत्रवः सन्नमन्ते. — सन्नत inclinatus. IN. 1.10.

नमस् *n. indecl.* (r. नम् s. अस्) inclinatio, adoratio. नमस्कर्तुम् adorare (v. gr. 653.). SU. 3.12.19. (Cf. hib. *naomh m.* «a saint», *Adj.* «sacred, holy», *naomhachd* «holyness, sanctity»; nisi sicut lat. *nu-men* pertinent ad नु adorare, unde etiam नमस् derivari posset, ita ut ortum sit e नवस्, mutato व् in म्.

नमस्य् (*Denom.* a नमस् s. य्, gr. 585.) adorare. BH. 9.14. 11.36.

नमुचि *m.* nomen *asuri,* quem *Indrus* occidit.

नम्ब् 1. *P.* (गतौ) ire, se movere. *Cf.* नर्ब्.

नम्र (r. नम् s. र) inclinatus. RAGH. 3.25. 11.4.

नय् 1. *A.* (रक्षणे *K.* गतिरक्षणयोः *V.*) tueri, servare; ire.

नयन *n.* (r. नी ducere s. अन) oculus. N. 11.32.

नर *m.* vir, homo. BR. 1.30. H. 4.7. (V. नृ et cf. hib. *naoi* «a man, a person».)

नरक *m.* tartarus. N. 6.13.

नरर्षभ *m.* (*TATP.* e नर et ऋषभ q. v.) virorum, hominum princeps.

नरवाहिन् (a नरवाह - नर + वाह equus - suff. इन्) viros equorum loco habens, a viris vectus. N. 17.23.

नर्तन *m.* (r. नृत् s. अन) saltator. IN. 5.50.

नर्द् 1. *P. interdum A.* sonum edere, mugire, rugire. R. Schl. I. 16.25.: कपयो नर्दमाना नादेन; MAH. 1.4114.: वृषाव् इव नर्दन्तौ; RAM. II. 74.31.: शब्दः सिंहानाम् नर्दताम् इव. Cantare, *de avibus.* RAM. I. 16.29.: नर्दमानांश्च नादेन पातयेयुर् विहङ्गमान्. — नर्दित *n.* mugitus. HIT. 47.18. (Cf. नद्; huc referri potest hib. *nuailim* «I roar, howl», *nuail* «roaring, howling», abjecto *d* vel *r*, mutato *d* vel *r* in *l*.)

c. वि mugire, rugire. MAH. 3.11108.: विनर्दमानो ऽतिभृशं सविद्युद् इव तोयदः.

नर्ब् 1. *P.* (गतौ) ire, se movere; *cf.* नम्ब्.

नर्मन् *n.* (fortasse a नृत् s. मन्, ita ut mutilatum sit e नर्त्मन्) ludus, jocus. RAGH. 19.28.

नल् 1. *P.* (बन्धे) ligare.

नल *m.* 1) arundo. DR. 5.9. 2) nomen regis *Nischadhorum.* (*Cf.* नड.)

नलिन *n.* lotus, nymphaea. RAGH. 18.4.

नलिनी *f.* (a praec. signo *fem.* ई) 1) nymphaea. 2) caulis nymphaeae. MEGH. 40. 3) nymphaearum multitudo *vel* locus nymphaeis abundans. RAGH. 6.44. DR. 6.22.

नव (r. नु laudare s. अ, nisi, quod Pottius putat, a praep. अनु post, abjecto अ) novus, recens. UR. 1.9. H. 2.11. MEGH. 66. (Lat. *novus*; slav. *nov*, them. *novo*; gr. νέος